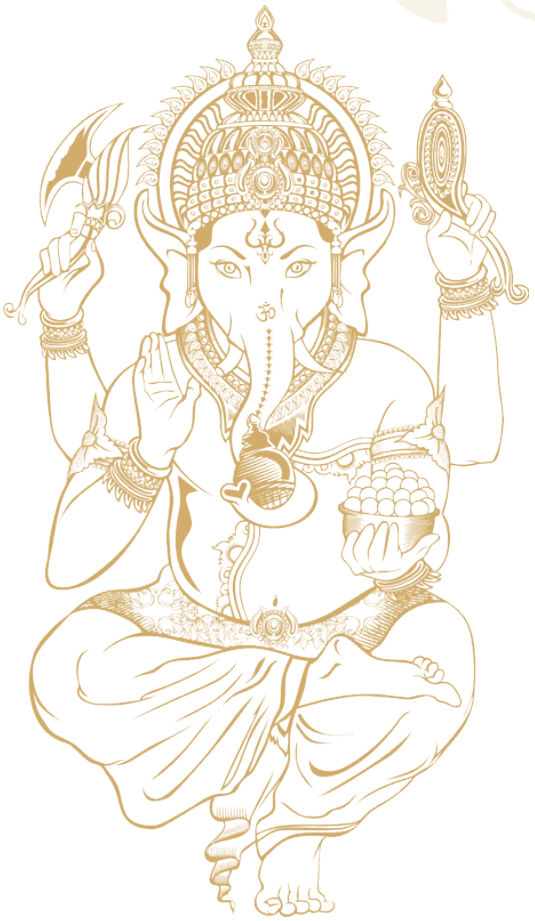

# Kundan Vasant Shegaonkar

03 Sep 1983

Model: Numerology-Report

Order No: 119686401

# अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 119686401 Date: 07/10/2025

| | |
|---|---|
| नाम | Kundan Vasant Shegaonkar |
| जन्म तिथि | 03/09/1983 |
| मूलांक | 3 |
| भाग्यांक | 6 |
| नामांक | 5 |
| मूलांक स्वामी | गुरु |
| भाग्यांक स्वामी | शुक्र |
| नामांक स्वामी | बुध |
| मित्र अंक | 6, 9 |
| शत्रु अंक | 4, 8 |
| सम अंक | 1, 2, 5, 7 |
| मुख्य वर्ष | 1992,2001,2010,2019,2028,2037,2046,2055 |
| शुभ आयु | 9,18,27,36,45,54,63,72 |
| शुभ वार | मंगल, शुक्र, गुरु |
| शुभ मास | मार्च, जन, सित |
| शुभ तारीख | 3, 12, 21, 30 |
| शुभ रत्न | पुखराज |
| शुभ उपरत्न | सुनहला,पीला हकीक |
| अनुकूल देव | विष्णु |
| शुभ धातु | स्वर्ण |
| शुभ रंग | पीत |
| मंत्र | ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः |
| शुभ यंत्र | मंगल यंत्र |

| | | |
|---|---|---|
| 8 | 3 | 10 |
| 9 | 7 | 5 |
| 4 | 11 | 6 |

# अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।

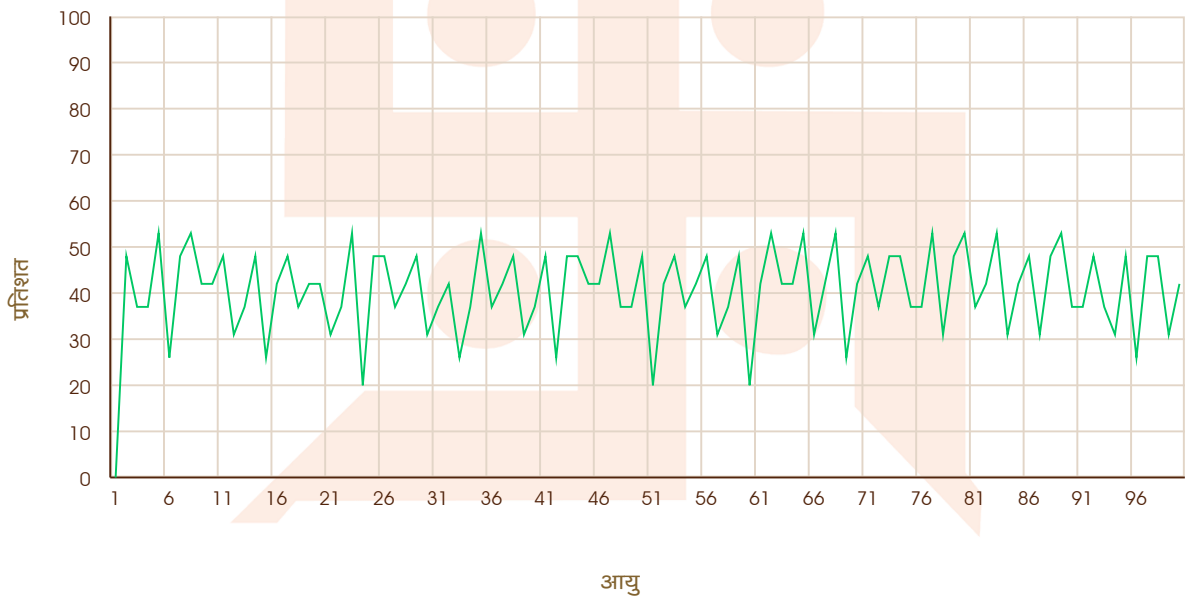


| | |
|---|---|
| मुख्य वर्ष | 1992,2001,2010,2019,2028,2037,2046,2055 |
| शुभ आयु | 9,18,27,36,45,54,63,72 |

# अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक तीन होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक तीन होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह है। बृहस्पति या गुरु ग्रह के प्रभाववश आप अनुशासन के मामले में काफी कठोर रहेंगी तथा अपने अधिनस्थों से सख्ती से कार्य लेंगी। काम में ढील या शिथिलता बर्दाश्त नहीं करेंगी। इस कारण कभी कभी आपके मातहत ही आपसे शत्रुता करने लगेंगे।

आप एक महत्वाकांक्षी महिला होंगी और दूसरों पर शासन करने की आपकी सहज इच्छा रहेगी। गुरु ग्रह के प्रभाववश आपकी विचारधारा धार्मिक रहेगी तथा विद्या, अध्ययन, अध्यापन, बौद्धिक स्तर के कार्य तथा धर्म-कर्म के क्षेत्र में आपको अच्छी उपलब्धियाँ एवं ख्याति प्राप्त होगी। मानसिक रूप से आप काफी संतुलित एवं विकसित महिला होंगी तथा किसी भी विषय को समझने की आप में विशेष क्षमता रहेगी। तर्क एवं ज्ञान शक्ति आपकी अच्छी रहेगी। आप मन से किसी का भी अहित नहीं करेंगी और दूसरों की भलाई करने में भी अपना समय देती रहेंगी।

दान-पुण्य के कार्य भी आप काफी करेंगी। सामाजिक स्थिति आपकी काफी अच्छी रहेगी। समाज में आप अग्रणी एवं मुखिया पद का निर्वहन करना अधिक पसन्द करेंगी। दूसरों को सच्ची सलाह देना आप अपना धर्म समझेंगी। स्वभाव से आप शान्त, कोमल हृदय, मृदुवाणी एवं सत्यवक्ता होंगी। सत्य के मार्ग पर आप चलते हुये कष्टों को भी सहन करेंगी एवं अन्त में विजयश्री को प्राप्त करेंगी। स्वास्थ्य आपका साधारणतः अनुकूल ही रहेगा। लेकिन कभी-कभी मंदाग्नि, जठराग्नि, उदर विकार इत्यादि रोगों का सामना करना पड़ेगा।

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगी। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगी। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण की शौकीन रहेंगी। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रही हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनती हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

आपका मूलांक 3 है तथा आपका भाग्यांक 6 है। मूलांक 3 का स्वामी गुरु तथा भाग्यांक 6 का स्वामी शुक्र है। मूलांक 3 और भाग्यांक 6 के बीच मित्र संबंध है। मूलांक स्वामी गुरु ज्ञान का दाता है तथा भाग्यांक स्वामी शुक्र कला प्रधान ग्रह है। इन दोनों के संयुक्त प्रभाववश आप एक ज्ञानी तथा कलाप्रिय महिला के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगी।

रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आप ऐसा ही रोजगार चुनेंगी, जिसमें चौंसठ कलाओं में से किसी एकाधिक कला का समावेश हो तथा सामाजिक स्तर पर ज्ञान का प्रसार होता रहे। आपका प्रारंभिक रुझान ज्ञान एवं कला के क्षेत्र में होने से आप किसी एकाध कला को अपने व्यवसाय के रूप में चुन सकती हैं। प्रारंभिक अवस्था में आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। लेकिन मध्य अवस्था से आप सफलता की सीढ़ी चढ़ती चली जाएंगी एवं अंतिम अवस्था तक पहुंचते-पहुंचते धन संग्रह, भौतिक संपदा, भूमि, वाहन का लाभ प्राप्त कर लेंगी। नगद धन अधिक एकत्रित करने में आप असमर्थ रहेंगी। आपकी सामाजिक स्थिति उच्च कोटि की रहेगी तथा जनता के बीच आप लोकप्रिय महिला के रूप में स्थापित होंगी।

आपका भाग्योदय 24 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा। 33 वें वर्ष पर उन्नति प्राप्त होगी तथा 42 वें वर्ष की अवस्था पर पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 3 की मित्रता 6 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 6 की मित्रता 3 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 3, 6, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक की आपके भाग्यांक से मित्रता होने से मूलांक-भाग्यांक के फल आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षो में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, या उपर्युक्त वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्ही अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्ही अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, जून, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 6, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

# नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

## Kundan Vasant Shegaonkar

## 2+6+5+4+1+5 6+1+3+1+5+4 3+5+5+3+1+7+5+2+

### नाम का योग : 77 नामांक : 5

आपके नाम का कुल योग सतत्तर है। सात एवं सात के योग से चौदह तथा एक एवं चार के योग से पाँच आपका नामांक होता है। अंक सात का स्वामी नेपच्यून अंक एक का स्वामी सूर्य अंक चार का स्वामी हर्षल पाँच का स्वामी बुध है। चारों ग्रहो के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। नेपच्यून प्रभावी व्यक्ति को घूमना-फिरना सैर-सपाटा करना अच्छा लगता है। सूर्य के प्रभाव से इच्छा शक्ति आपकी दृढ़ रहेगी। लम्बे समय तक आपके संबंध मधुर एवं स्थायी बने रहेगें। आप स्वतंत्र रूप से कार्य करना पसंद करेंगी। सामाजिक क्षेत्र में आपका नाम सूर्य के समान प्रकाशित होगा। हर्षल प्रभाव से आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना पड़ेगा। आपको नये-नये आविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करना होगा। स्वास्थ्य आपका उत्तम रहेगा। बुध प्रभावी महिला होने के कारण दिमागी ताकत आपकी अच्छी होगी। इसके कारण आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का सामना करना पड़ सकता है। लेखन-पठन में भी आपकी रुचि होगी। नौकरी की अपेक्षा आप स्वयं का रोजगार-व्यापार करना अधिक पसंद करेंगी। जिसमें नाम भी कमायेंगी।

आपके नाम का नामांक 5 है। इसके आपके मूलांक 3 से मित्र संबंध तथा भाग्यांक 6 से सम संबंध होने के कारण आपको अपने जीवन में मूलांक स्वामी के प्रभाव से पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। अपनी मेहनत द्वारा आप सामाजिक क्षेत्र में अपनी लोकप्रियता स्थापित करने में सफल रहेंगी। अपने मित्रों, रिश्तेदारों में आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगी। जिस क्षेत्र में आप कार्यरत रहेंगी वहाँ के अन्य सहयोगियों का आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा एवं अपने विभाग में आप लोकप्रियता को प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में आपका नाम काफी ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा मान-सम्मान आपको समुचित मात्रा में प्राप्त होगा। भाग्यांक के साथ सम संबंध होने से भाग्य का सहारा आपको अधिक प्राप्त नहीं होगा। इस हेतु आप यदि अपने नाम में परिवर्तन के इच्छुक हों तो ऐसे नाम के अक्षरों का चुनाव करें जिसके अंक मूलांक एवं भाग्यांक दोनों से ही अच्छा तालमेल स्थापित कर सकें।

आपका नामांक आपके मूलांक 3 से मिलान करता है लेकिन भाग्यांक 6 से मिलान नहीं हो रहा है। जिसके प्रभाव से भाग्य के क्षेत्र में आपको थोड़ी-बहुत परेशानियॅा आ

सकती हैं। आपको अपने नाम को भाग्यांक से भी मिलान करना हितकर रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कर सकते हैं जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 3 आता हो और 8 न हो तो ऐसा नाम आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा तथा आपकी उन्नति में चार-चांद लगायेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 9,6 अंक अच्छे रहेंगे तथा 1,4 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

**A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z**

**1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7**

**उदाहरणार्थः-**

| | | |
|---|---|---|
| एक अंक घटानाः- | G A N E S H A<br>3+1+5+5+3+5+1=23=5 | G A N E S H<br>3+1+5+5+3+5=22=4 |
| एक अंक :- | R A M<br>2+1+4=7 | R A M A<br>2+1+4+1=8 |
| दो अंक :- | B I N D R A<br>2+1+5+4+2+1=15=6 | B R I N D R A<br>2+2+1+5+4+2+1=17=8 |
| तीन अंक :- | R A M C H A N D<br>2+1+4+3+5+1+5+4=25=7 | R A M C H A N D R A<br>2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28 |
| चार अंक :- | K R I S H N A<br>2+2+1+3+5+5+1=19=1 | K R E S H N A<br>2+2+5+3+5+5+1=23=5 |
| पाँच अंक :- | T E W A R I<br>4+5+6+1+2+1=19=1 | T I W A R I<br>4+1+6+1+2+1=15=6 |
| छः अंक :- | A G G A R W A L<br>1+3+3+1+2+6+1+3=20=2 | A G A R W A L<br>1+3+1+2+6+1+3=17=8 |

# अंक ज्योतिष उपाय विचार

## अनुकूल समय

सूर्य 21 नवंबर से 20 दिसंबर तक धनु राशि में एवं 19 फरवरी से 20 मार्च तक मीन राशि में तथा 21 जून से 20 जुलाई तक कर्क राशि में पाश्चात्य मत से रहता है। भारतीय मत से यह 15 दिसंबर से 13 जनवरी तक धनु में एवं 14 मार्च से 12 अप्रैल तक मीन राशि में तथा 16 जुलाई से 16 अगस्त तक कर्क राशि में रहता है। धनु एवं मीन राशियां गुरु का स्वस्थान अथवा अपना घर है। कर्क राशि गुरु का उच्च स्थान है। अतः उपर्युक्त समय में मूलांक तीन प्रभावियों के लिए सबसे अधिक प्रभावकारी एवं लाभप्रद समय रहता है। इस काल में कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य इत्यादि करना आपके लिए विशेष योगकारक रहेगा।

## अनुकूल दिवस

गुरुवार, शुक्रवार, मंगलवार के दिन आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगे। यदि आपकी अनुकूल तारीखों में से ही किसी तारीख को गुरुवार, शुक्रवार, मंगलवार पड़ रहा हो तो ऐसा दिन आपके लिए अधिक अनुकूल तथा श्रेष्ठ फलदायक होगा।

## शुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखें किसी भी नये कार्य को प्रारंभ करने, महत्वपूर्ण या विशिष्ट व्यक्तियों से मिलने, पत्र इत्यादि लिखने हेतु शुभ रहेंगी। अतः यदि आप उपर्युक्त तारीखों में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य करती हैं तो शीघ्र सफलता मिलेगी।

## अशुभ तारीखें

आपको किसी भी अंग्रेजी माह की 4, 8, 13, 17, 22, 26 एवं 31 तारीखें प्रतिकूल हो सकती हैं। अतः कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, उपर्युक्त तारीखों में संपन्न करना आपके लिए अहितकर रहेगा।

## मित्रता या साझेदारी

आप ऐसे व्यक्तियों से मित्रता या साझेदारी स्थापित करें, जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24 27 एवं 30 तारीखों में, अथवा 15 दिसंबर से 13 जनवरी, 13 मार्च से 13 अप्रैल एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के बीच हुआ हो। ऐसे व्यक्ति आपके लिए अनुकूल सहयोगी तथा विश्वासपात्र सिद्ध होंगे। इस प्रकार के व्यक्तियों से आपकी मित्रता स्थायी एवं दीर्घ रहेगी तथा वे रोजगार, व्यवसाय, साझेदारी आदि में सहायक रहेंगे।

## प्रेम संबंध एवं विवाह

आपको विवाह या प्रेम संबंध स्थापित करते समय यह देखना लाभप्रद रहेगा कि उस महिला का मूलांक 3,6 या 9 हो अथवा ऐसी महिला का जन्म किसी भी अंग्रेजी मास की

3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 या 30 तारीख को हुआ हो। इन दिनांकों में जन्मी स्त्रियां आपके लिए विशेष फलदायी और अच्छा साथ निभाने वाली रहेंगी।

## अनुकूल रंग

आपके लिए अनुकूल रंग हल्का गुलाबी, चमकीला गुलाबी है। गुलाबी भी पूरा गुलाबी नहीं, बल्कि हल्का गुलाबी होना चाहिए। अतः आप ड्रॉइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि इसी रंग के लें। हो सके तो इस रंग का रुमाल तो हर समय रखें। स्वास्थ्य की क्षीणता के समय भी आप हो सके तो इसी रंग के वस्त्र पहनें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

## वास्तु एवं निवास

आपके लिए ऐसे मकान में रहना शुभ रहेगा जिसका मूलांक या नामांक 3 हो। ईशान कोण दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। अतः आप शहर की ईशान कोण दिशा में अपना निवास बना सकते हैं। इस दिशा में रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य करना शुभ रहेगा। पहनने के वस्त्रों का चुनाव करते समय भूरा, पीला, सुनहरी रंगों के होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा और यदि आप दीवारें, पर्दे, फर्नीचर का रंग भी ऐसा ही रखें तो आपके पारिवारिक वातावरण में खुशहाली आएगी।

## शुभ वाहन नं

अगर आप यात्रा के दौरान कमरा इत्यादि बुक करवाते हैं, तो आपको चाहिए की कमरे का नंबर आपके मूलांक या मूलांक के मित्र अंक से मेल करने वाले अंकों का रहे। आपका मूलांक 3 है। मूलांक के मित्र अंक 6, 9 रहेंगे। आपके कमरे का नंबर 102= 3 इत्यादि होना चाहिए और यदि आप वाहन आदि का पंजीकरण इत्यादि करवाते हैं, तब उसके लिए भी शुभ अंक 5232 =3 रहेंगे। आपके लिए यही अंक यात्रा के वाहन के रहेंगे, तो आपकी यात्रा सुखमय कहलाएगी।

## स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको चर्म रोग, दाद, खाज, खुजली, प्रमेह, ज़हरवाद, पित्त प्रकोप, शूल रोग, स्नायु निर्बलता, मानसिक उद्वेग, गुप्तेंद्रिय शैथिल्य, भोग के प्रति अरुचि, रक्त दोष जैसे रोग होंगे। रोग अशुभता कष्ट और विपत्ति के समय आपको विष्णु उपासना, पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण करना चाहिए।

## व्यवसाय

वस्त्र उद्योग, ढाबे, रेस्टोरेंट, होटल, पान की दुकान, अध्यापन, उपदेशक, व्याख्याता, प्राध्यापक, राजदूत, मंत्री, कानून के सलाहकार, वकील, न्यायाधीश, सचिव, दूत कार्य, क्लर्क, चिकित्सा कार्य, बैंकिंग के कार्य, दलाल, आढ़त, विज्ञापनकर्ता, अभिनेता, सेल्समैन, टाइपिस्ट, स्टेनो, जल जहाज में कार्यकर्ता, पुलिस विभाग, दर्शनशास्त्री, प्रबंधक एवं जलीय व्यापार।

## व्रतोपवास

बृहस्पतिवार को बृहस्पति अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। बृहस्पतिवार को पीले वस्त्र धारण कर व्रत करें। पीला भोजन ग्रहण करें एवं पीले पदार्थों का दान करें। यह व्रत तीन वर्ष, एक वर्ष या सोलह बृहस्पतिवारों को करें। यथाशक्ति पुत्रजीवी की माला पर गुरु मंत्र का जप करें।

## अनुकूल रत्न या उपरत्न

पुखराज आपके लिए मुख्य रत्न है। यदि पुखराज न मिले तब आप सुनेला, टाईगर आई, पीला हकीक धारण कर सकते हैं। इसे आप सोने की अंगूठी में चार से पांच रत्ती का बनवा कर दायें हाथ की तर्जनी उंगली को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

## अनुकूल देवता

आप बृहस्पति ग्रह की उपासना करें अथवा विष्णु भगवान की आराधना करें। भगवान विष्णु के द्वादशाक्षरी मंत्र "ओम् नमो भगवते वासुदेवाय" का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णमासी के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों और समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान विष्णु के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

## ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए गुरु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु गुरु के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

गुरु गायत्री मंत्र - ऊँ अंगिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीवः प्रचोदयात्।।

## ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप गुरु का ध्यान करें, मन में गुरु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

देवानां च ऋषीणां च गुरुं कांचनसन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।

## ग्रह जप मंत्र

अशुभ गुरु को अनुकूल बनाने हेतु गुरु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ आठ माला का हैं। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः।। जप संख्या 10000।।

## वनस्पति धारण

आप गुरुवार के दिन एक इंच लंबी नारंगी या केले की जड़ ला कर, पीले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या स्वर्ण या पीतल के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे गुरु ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

## वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक गुरुवार को एक बाल्टी या बर्तन में मुलेठी, सफेद सरसों तथा मालती के फूल आदि औषधियों का चूर्ण कर पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ गुरु के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आप कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारू, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध इन सबको मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

## दान पदार्थ

गुरु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को गुरु के पदार्थ, पीला वस्त्र, सोना, हल्दी, घृत, पीले पुष्प, पीला अन्न, पुखराज, अश्व, पुस्तक, मधु, लवण, शर्करा, भूमि, छत्र आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

## यंत्र

गुरु को अनुकूल बनाये रखने हेतु गुरु यंत्र को भोज पत्र पर अष्ट गंध ( केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में गुरुवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।